हकेंविवि में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पांच से

महेंद्रगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है। इस कार्यक्रम का एक उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों व पदाधिकारियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय डॉ. सत्यपाल सिंह करेंगे। कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से शिक्षाविद, कुलपति, निदेशक, अधिष्ठाता तथा विभागाध्यक्ष हिस्सा लेंगे। यह सभी लोग चार दिवसीय आयोजन में सिर्फ अपने अनुभव सांझा करेंगे और उच्च शिक्षा की बेहतरी के लिए उपयोगी विचारों के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता के विकास पर भी चर्चा करेंगे। प्रो. कुहाड़ ने बताया कि 8 दिसंबर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर खुले मंच से चर्चा की जाएगी। इसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मान्यता, संस्थागत शिक्षा को प्रभावी बनाना, विभिन्न निकायों के साथ में बेहतर सामंजस्य स्थापित करना, प्रभावी नेतृत्व क्षमता विकसित करना, बजटीय प्रक्रिया को समझना व शिक्षा ढांचे के अनुसार उसे आसान बनाना और इसका विकास करना, महत्वपूर्ण हैं।

हकेंवि में मिलेगा उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता का प्रशिक्षण, कार्यक्रम कल से

मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह करेंगे उद्घाटन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 दिसंबर से शुरू होगा। यह कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। इसका उदेश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों व पदाधिकारियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना है।

विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय डॉ. सत्यपाल सिंह करेंगे। इसमें देश के कई विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आए शिक्षाविद तथा कुलपति, निदेशक, अधिष्ठाता तथा विभागाध्यक्ष हिस्सा लेंगे। ये विशेषज्ञ इस चार दिवसीय आयोजन में अपने अनुभव सांझा करेंगे और उच्च शिक्षा की बेहतरी के लिए उपयोगी विचारों के साथ नेतृत्व क्षमता के विकास पर भी चर्चा करेंगे। प्रो. कुहाड ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश विशिष्ट अतिथि होंगे। 8 दिसम्बर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में गुणवक्तापूर्ण शिक्षा, मान्यता, संस्थागत शिक्षा को प्रभावी बनाना, विभिन्न निकायों के साथ में बेहतर सामंजस्य स्थापित करना, प्रभावी नेतृत्व क्षमता विकसित करना, बजटीय प्रक्रिया को समझना व शिक्षा ढांचे के अनुसार उसे आसान बनाना और इसका विकास करना महत्वपूर्ण हैं।

हकेंवि में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता पर प्रशिक्षण कल से

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 5 दिसंबर से शुरू होगा।

यह कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना पण्डित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों व पदाधिकारियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह करेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

- **चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 5 दिसंबर से**
- **मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह करेंगे उद्घाटन**

कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आने वाले शिक्षाविद्, कुलपति, सम-कुलपति, निदेशक, अधिष्ठाता तथा विभागाध्यक्ष हिस्सा लेंगे। विशेषज्ञ इस चार दिवसीय आयोजन में न सिर्फ अपने अनुभव साझा करेंगे बल्कि उच्च शिक्षा की बेहतरी के लिए उपयोगी विचारों के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता के विकास पर भी चर्चा करेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश विशिष्ट अतिथि होंगे।

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने बताया कि 8 दिसंबर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर खुले मंच से चर्चा की जाएगी। इसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मान्यता, संस्थागत शिक्षा को प्रभावी बनाना, विभिन्न निकायों के साथ में बेहतर सामंजस्य स्थापित करना, प्रभावी नेतृत्व क्षमता विकसित करना, बजटीय प्रक्रिया को समझना व शिक्षा ढांचे के अनुसार उसे आसान बनाना और इसका विकास करना महत्वपूर्ण हैं।

उच्च शिक्षा में नेतृत्व का मिलेगा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- कल से चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
- मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डा. सत्यपाल सिंह करेंगे उद्घाटन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 दिसंबर से शुरू होगा। यह कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) अंतर्गत आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों व पदाधिकारियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार) डा. सत्यपाल सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों से आए शिक्षाविद, कुलपति, सम-कुलपति, निदेशक, अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष भाग लेंगे। चार दिवसीय आयोजन में न सिर्फ अपने अनुभव सांझा करेंगे बल्कि उच्च शिक्षा की बेहतरी के लिए उपयोगी विचारों के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता के विकास पर भी चर्चा करेंगे। प्रो. कुहाड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश विशिष्ट अतिथि होंगे। उन्होंने बताया कि 8 दिसंबर तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर खुले मंच से चर्चा की जाएगी। इसमें गुणवतापूर्ण शिक्षा, मान्यता, संस्थागत शिक्षा को प्रभावी बनाना, विभिन्न निकायों के साथ में बेहतर सामंजस्य स्थापित करना, प्रभावी नेतृत्व क्षमता विकसित करना, बजटीय प्रक्रिया को समझना व शिक्षा ढांचे के अनुसार उसे आसान बनाना और इसका विकास करना, महत्वपूर्ण हैं। प्रो. कुहाड़ ने बताया कि उच्च शिक्षण संस्थानों में कुशल नेतृत्व क्षमता के विकास में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

ह.कें.वि. में मिलेगा उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता का प्रशिक्षण

4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 से

मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डा. सत्यपाल सिंह करेंगे उद्घाटन

के.वि.वि. में बने एकैडमिक ब्लॉक व मेन गेट का दृश्य। *मोहन*

महेंद्रगढ़, 3 दिसम्बर(मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 5 दिसम्बर से शुरू होने जा रहा है। यह कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना पंडित मदन मोहन मालवीय नैशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी.) अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का एक उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों व पदाधिकारियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार) डा. सत्यपाल सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आए शिक्षाविद तथा कुलपति, सम-कुलपति, निदेशक, अधिष्ठाता तथा विभागाध्यक्ष हिस्सा लेंगे। ये विशेषज्ञ इस 4 दिवसीय आयोजन में न सिर्फ अपने अनुभव सांझा करेंगे बल्कि उच्च शिक्षा की बेहतरी के लिए उपयोगी विचारों के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता के विकास पर भी चर्चा करेंगे। प्रो. कुहाड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश विशिष्ट अतिथि होंगे।

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने बताया कि 8 दिसम्बर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर खुले मंच से चर्चा की जाएगी। इसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मान्यता, संस्थागत शिक्षा को प्रभावी बनाना, विभिन्न निकायों के साथ में बेहतर सामंजस्य स्थापित करना, प्रभावी नेतृत्व क्षमता विकसित करना, बजटीय प्रक्रिया को समझना व शिक्षा ढांचे के अनुसार उसे आसान बनाना और इसका विकास करना, महत्वपूर्ण हैं।

प्रो. कुहाड़ ने बताया कि उच्च शिक्षण संस्थानों में कुशल नेतृत्व क्षमता के विकास में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर Mon, 04 December 2017
epaper.punjabkesari.in//c/24217146

Four-day leadership event begins tomorrow

TRIBUNE NEWS SERVICE

MAHENDRAGARH, DECEMBER 3

Satya Pal Singh, Minister of State for Human Resource Development, will inaugurate the four-day higher education leadership programme at Central University of Haryana here on December 5.

"Vice-Chancellors, Directors, Pro-VCs, deans, chairpersons and department heads of various universities across India will attend the programme. Prof Ved Prakash, former chairman, University Grants Commission, will be the guest of honour," said RC Kuhad, VC.

> "The programme will provide opportunity to higher education institutions to enrich them by sharing their personal experience. Issues like quality assurance, enhancement of institution will be discussed."
>
> **RC Kuhad,** VICE-CHANCELLOR, CENTRAL UNIVERSITY

"The programme will provide opportunity to higher education institutions to enrich them by sharing their personal experience. Issues pertaining to quality assurance, accreditation and enhancement of institutional performance, interface with regulatory bodies, budgetary process and strategies for effective resource mobilisation, effective leadership and strategic planning will be discussed in the programme," he maintained.

The Tribune (Haryana Edition) Mon, 04 December 2017
epaper.tribuneindia.com//c/24217781

हकेंवि प्रशिक्षण कार्यक्रम आज से

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कल 5 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है। यह कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का एक उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों व पदाधिकारियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार) डॉ. सत्यपाल सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आए शिक्षाविद तथा कुलपति, सम-कुलपति, निदेशक, अधिष्ठाता तथा विभागाध्यक्ष हिस्सा लेंगे। प्रो. कुहाड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश विशिष्ट अतिथि होंगे।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 05 December 2017
epaper.dainiktribuneonline.com

अब थीसिस चुराकर नहीं कर पाएंगे पीएचडी

मंत्री सत्यपाल ने कहा, एनसीटीई के 40 प्रतिशत कॉलेज फ्रॉड

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री सत्यपाल सिंह का कहना है कि थीसिस की चोरी करके डॉक्टर ऑफ फिलासफी (पीएचडी) करना आसान नहीं होगा। यदि किसी को पीएचडी करनी है तो उसे मौलिक शोध करना होगा। थीसिस की चोरी रोकने के लिए एक सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के 40 प्रतिशत कॉलेज फ्रॉड हैं, जो एक कमरे में चलते हैं या कागजों में। सरकार ने एक हजार कॉलेज बंद किये हैं और एक हजार बंद करने की तैयारी में है।

केंद्रीय राज्य मंत्री सत्यपाल सिंह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित उच्च शिक्षा नेतृत्व कार्यक्रम के समापन के बाद पत्रकारों से कहा कि अभी एक विद्यार्थी की रिसर्च कॉपी दूसरे विद्यार्थी को 15-15 हजार रुपये में बेची जा रही है। चोरी रोकने वाले सॉफ्टवेयर के आने से न केवल पारदर्शिता आएगी, बल्कि मेहनती लोग ही आगे बढ़ पाएंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार नई शिक्षा नीति की व्यवस्था के लिए मसौदा तैयार कर रही है। इसके लिए प्रो. कस्तुरी रंगा की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है। उम्मीद है कि वह 31 दिसंबर तक मसौदा सौंप देंगे। नई शिक्षा नीति पांच स्तंभ पर आधारित होगी। हमारे बच्चे पढ़ना चाहते हैं लेकिन पर्याप्त कॉलेज और विश्वविद्यालय नहीं हैं। अभी ऐसे भी राज्य हैं जो हायर एजूकेशन में पीछे हैं उनकी तरफ ध्यान देने, शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, गरीब से गरीब बच्चों को कम कीमत पर शिक्षा प्रदान करने आदि की योजना बनाई जा रही है। इस मौके पर हकेंविवि के वीसी आरसी कुहाड़, यूजीसी के पूर्व चेयरमैन वेदप्रकाश सहित विवि का स्टाफ उपस्थित था।

हकेंविवि में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते डॉ. सत्यपाल सिंह।

दो टूक | केंद्रीय विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा नेतृत्व कार्यक्रम के समापन के बाद पत्रकारों से बातचीत में बोले - राज्य मंत्री सत्यपाल सिंह

देश में करीब एक हजार फर्जी शिक्षण संस्थान होंगे बंद

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़. स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ का उद्घाटन करते डॉ. सत्यपाल सिंह, साथ में कुलपति प्रो. कुहाड़, प्रो.वेदप्रकाश व प्रो.रणबीर सिंह।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री सत्यपाल सिंह ने मंगलवार को कहा कि देश में फर्जी संस्थान नहीं चलने दिए जाएंगे। न ही किसी को गलत तरीके से डिग्रियां बांटने दी जाएंगी। ऐसे हजार से अधिक शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए हैं, जबकि इससे भी अधिक शिक्षण संस्थान जल्द बंद होंगे।

मंगलवार दोपहर राज्य मंत्री सत्यपाल सिंह केंद्रीय विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा नेतृत्व कार्यक्रम के समापन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हालांकि वह अभी मानव संसाधन विकास मंत्री में नए-नए मंत्री बने हैं। उनके पास देश में फर्जी तरीके से शिक्षण संस्थान चलने व डिग्रियां बांटने का मामला आया था। इसके बाद उन्होंने सर्वे कराया। इस पर में चौकाने वाले तथ्य आए। उसी सर्वे के आधार पर देश भर में करीब एक हजार से अधिक ऐसे शिक्षण संस्थानों के बंद करने के आदेश दिए गए हैं, जो या तो एक कमरे में चल रहे थे या फिर सिर्फ कागजों में थे। इतने ही संस्था अभी और बंद किए जाने हैं। उन्होंने पीएचडी में विद्यार्थियों द्वारा फर्जी गाइड व शोध पर पूछे गए सवाल पर कहा कि मंत्रालय की ओर से एक सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। उस सॉफ्टवेयर के माध्यम से जो आज पीएचडी या फिर अन्य रिसर्च में चोरी हो रही हैं वो नहीं हो पाएंगी। इस सॉफ्टवेयर के आने से न केवल पारदर्शिता आएगी, बल्कि मेहनती लोग ही आगे बढ़ पाएंगे। उन्होंने बताया कि जो लोग इसका गलत फायदा उठाया है और जिनकी शिकायतें आई हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

उन्होंने नई शिक्षा नीति के प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारत विकास मंत्रालय नई शिक्षा नीति की व्यवस्था के लिए मसौदा तैयार कर रहा है। इसकी एक कमेटी भी बनाई गई हैं जिसकी अध्यक्षता प्रो. कस्तुरी रंगा कर रहे हैं। उम्मीद है कि 31 दिसंबर तक यह मसौदा वो सौंप देंगे। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति पांच स्तंभ पर आधारित होगी। हमारे बच्चे पढ़ना चाहते हैं, किंतु पर्याप्त कॉलेज एवं विवि नहीं हैं।

किस प्रकार विवि की संख्या से किस प्रकार बढ़ाई जाए। दूसरा अभी ऐसे भी राज्य हैं जो हायर एजूकेशन में पीछे हैं उनकी तरफ ध्यान देने, शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, गरीब से गरीब बच्चों को कम कीमत पर शिक्षा प्रदान करने आदि की योजना बनाई जा रही है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज की घोषणा के बारे में उनको जानकारी नहीं है। इसका मैं पता लगाकर उस पर कार्रवाई शुरू कराएंगे। इस मौके पर हकेंविवि के वीसी प्रो. आरसी कुहाड़, यूजीसी के पूर्व चेयरमैन वेदप्रकाश सहित विवि का स्टाफ उपस्थित था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम | हकेंवि में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता पर चार दिनी आयोजन का शुभारंभ, केंद्रीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, डॉ. सत्यपाल सिंह ने किया उद्घाटन

भारत को विश्वगुरु बनाने में शिक्षकों की भूमिका थी अहम वर्तमान में और बेहतरी के लिए करना होगा प्रयास : डॉ. सिंह

मंत्री ने इस दौरान नए शैक्षणिक खंड व स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ का किया उद्घाटन | कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़. शैक्षणिक खंड-1 का फीता काटकर उद्घाटन करते डॉ. सत्यपाल सिंह, साथ में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़, प्रो. वेद प्रकाश व अन्य।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत मंगलवार से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. सत्यपाल सिंह ने की। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक नेतृत्व सूर्य के समान होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश उपस्थित रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की।

डॉ. सत्यपाल सिंह ने विवि में नवनिर्मित शैक्षणिक खंड-1 एवं स्वामी दयानंद सरस्वती शोध पीठ का उद्घाटन किया। डॉ. सत्यपाल सिंह ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जरूरी बदलावों पर जोर देते हुए कहा कि भारत की विश्वगुरु के तौर पर पहचान शिक्षकों के माध्यम से ही स्थापित हुई थी और वर्तमान में बेहतर स्थिति के लिए शिक्षकों को ओर अधिक परिश्रम की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज शिक्षक की पहचान उसकी डिग्री से की जाती है, जबकि हमारे इतिहास में ऐसे कई प्रेरणा के स्रोत रहे हैं, जिनके पास कोई डिग्री नहीं थी। डॉ. सत्यपाल सिंह ने विवि में स्थापित स्वामी दयानंद सरस्वती चेयर के संबंध में कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती भारत के ऐसे राष्ट्र चिंतक थे, जिनके आगे कोई नहीं टिकता है। उन्होंने शैक्षणिक नेतृत्व के विषय में कहा कि भारतीय संस्कृति इस मोर्चे पर बेहद सम्पन्न है। न्यूटन ने जो गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत दिया है, वह ऋग्वेद में पहले से ही उल्लिखित है। यदि हमें शैक्षणिक नेतृत्व की क्षमता विकसित करनी है तो हमें सूर्य से प्रेरणा लेनी होगी। सूर्य ऊर्जा का स्त्रोत है। सूर्य गंभीरता चिंतन के लिए प्रेरित करता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. वेद प्रकाश ने कहा कि हकेंवि महेंद्रगढ़ लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। अध्यक्षीय भाषण में वीसी प्रो. आरसी कुहाड़ ने विवि की प्रगति और इसमें मानव संसाधन विकास मंत्रालय से मिल रही मदद के लिए डॉ. सत्यपाल सिंह का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर प्रो. सुखबीर सिंह, प्रो. एजे वर्मा भी मंच पर उपस्थित रहे। प्रो. एजे वर्मा ने कार्यक्रम का सार संक्षेपण प्रस्तुत किया और शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डॉ. सारिका शर्मा ने धन्यवाद दिया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ को मिला प्रो. जीएस रंगास्वामी मेमोरियल अवॉर्ड

केंद्रीय राज्य मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय डॉ. सत्यपाल सिंह द्वारा सम्मानित किया गया।

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ को एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलोजिस्ट ऑफ इंडिया वर्ष 2017 के लिए प्रो. जीएस रंगास्वामी मेमोरियल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें यह अवॉर्ड माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। यहां हम आपको बता दें कि प्रो. कुहाड़ ने फसलों के अवशेष के जन-उपयोगी व जनहितैषी इस्तेमाल के क्षेत्र में उल्लेखनीय खोज कार्य किया है।

शोधार्थी-शिक्षकों को मिला यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड : विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. पूजा यादव और ऋषिकेश शुक्ला व जैव रसायन विभाग के डॉ. विकास यादव ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमेस्ट्री के 86 वे वार्षिक सम्मेलन में विभिन्न श्रेणियों में यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड प्राप्त कर विवि का नाम रोशन किया है। मंगलवार को विश्वविद्यालय आए डॉ. पूजा और डॉ. विकास वर्तमान समय में केंविवि में सहायक प्रोफेसर के रूम में काम कर रहे हैं। इसके पहले उन्हें प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालय और टेक्सास विश्वविद्यालय में पोस्ट डॉक्टोरल फेलो के यम में काम किया है। यहां हम बता दें कि सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट को 1939 में स्थापित किया गया था। जिसका मुख्यालय भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु में था। यह भारत की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सोसायटी है। दूसरे विश्वयुद्ध काल के दौरान सोसायटी ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिसमें औद्योगिक और कृषि अपशिष्ट उपयोगिताओं पर भोजन के विकल्प, दवा और टॉनिक के रूम में स्वदेशी बायोमेटीरियल्स के इस्तेमाल पर सरकार को सलाह दी है। तब से सोसायटी स्वास्थ्य और कृषि अनुसंधान के माध्यम से सामाजिक कल्याण में सुधार के लिए नीति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

डिग्री ही नहीं बांटें विवि : सत्यपाल

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह ने विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों, प्रोवीसी, डीन, विभागाध्यक्षों व अन्य वरिष्ठ शिक्षकों को आगाह करते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थान मात्र डिग्री वितरण वाले संस्थान नहीं बनने चाहिए। इसके लिए शिक्षकों को खुद आगे आना होगा। शैक्षणिक नेतृत्व सूर्य के समान चमकदार होना चाहिए। वे मंगलवार को पंडित मदनमोहन मालवीय नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत के अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

डॉ. सत्यपाल सिंह ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जरूरी बदलावों पर जोर देते हुए कहा कि भारत की विश्वगुरु के तौर पर पहचान शिक्षकों के माध्यम से ही स्थापित हुई थी। वर्तमान में बेहतर स्थिति के लिए शिक्षकों को और अधिक परिश्रम की आवश्यकता हैं। आज शिक्षक की पहचान उसकी डिग्री से की जाती है जबकि हमारे इतिहास में ऐसे कई प्रेरणा के स्रोत रहे हैं,

प्रो. आरसी कुहाड को अवार्ड प्रदान करते डा. सत्यपाल सिंह।

जिनके पास कोई डिग्री नहीं थी। राहुल सांकृत्यायन महज आठवीं पास थे लेकिन वह 36 देशी-विदेशी भाषाओं के ज्ञाता थे और 150 से ज्यादा किताबें उन्होंने लिखी थी।

केंद्रीय मंत्री ने शैक्षणिक नेतृत्व के विषय में कहा कि भारतीय संस्कृति इस मोर्चे पर बेहद संपन्न है। न्यूटन ने जो गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत दिया है, वह ऋग्वेद में पहले से ही उल्लिखित है। हमें शैक्षणिक नेतृत्व की क्षमता विकसित करनी है तो सूर्य से प्रेरणा लेनी होगी। सूर्य ऊर्जा का स्त्रोत हैं। सूर्य गंभीरता व चिंतन के लिए प्रेरित करते हैं। सूर्य आकर्षण के गुण को भी प्रदर्शित करते हैं। सूर्य नेतृत्व क्षमता के साथ-साथ जलाकर दंड देने के गुण को भी प्रदर्शित करते हैं। शैक्षणिक नेतृत्व के लिए आवश्यक है कि ज्ञान, शिक्षा व विद्या के अंतर को समझें।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. वेद प्रकाश ने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि देश को असली स्वराज तभी मिलेगा जब देश निर्धनता व निरक्षरता से मुक्त होगा। इसके लिए शिक्षा, विशेषकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गंभीरता के साथ प्रयास करने होंगे। प्रो. वेद प्रकाश ने कहा कि जब तक नियम, अधिनियम व कार्यालयों की व्यावहारिक प्रक्रिया की जानकारी अधिकारियों व नेतृत्व करने वाले व्यक्ति को नहीं होगी, वह इसकी बेहतरी के लिए कुछ नहीं कर पाएंगे। अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय की प्रगति और इसमें मानव संसाधन विकास मंत्रालय से मिल रही मदद के लिए डॉ. सत्यपाल सिंह का आभार व्यक्त किया।

नई शिक्षा पद्धति में झलकेगी देश की संस्कृति

सुरेंद्र यादव ● महेंद्रगढ़

70 वर्षों से चली आ रही शिक्षा पद्धति में बदलाव कर इसमें देश की संस्कृति को मूल रूप में लाया जाएगा। नई शिक्षा पद्धति के लिए अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट 31 दिसंबर को सौंप दिए जाने की संभावना है। इसके आधार पर ही नई पॉलिसी बनेगी, जिसमें शिक्षा को सर्वसुलभ बनाया जाएगा।

यहां हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली में 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत करने पहुंचे केंद्रीय मानव संसाधन राज्यमंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह ने शिक्षा नीति के संबंध में पूछे प्रश्न पर कहा कि मंत्रालय की इच्छा 70 साल पुरानी शिक्षा पद्धति में सुधार करने की है। इसके लिए डॉ. कस्तूरीरंगन समिति की ड्राफ्ट रिपोर्ट सरकार को मिलते ही उस पर विचार किया जाएगा। शिक्षा नीति देश की धरती में निहित होनी चाहिए, शिक्षा का संस्कृति में मूल होना चाहिए।

उच्चतर शिक्षा महंगी होने के चलते आम लोगों की पहुंच से दूर होती जाने के संबंध में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर रह चुके डॉ. सत्यपाल ने स्वीकार किया कि अभी मात्र 24.5 से 25 प्रतिशत लोगों तक ही हायर एजूकेशन की पहुंच है। तकनीकी शिक्षा महंगी होने के चलते यह अभी हर वर्ग तक नहीं पहुंच पा रही। उन्होंने यह भी कहा कि कहीं कॉलेज नहीं हैं तो कहीं विश्वविद्यालय कम हैं। सरकार इस दिशा में काम करेगी और नई पालिसी में हर व्यक्ति तक गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा पहुंचाई जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उच्चतर शिक्षा की पहुंच में क्षेत्रीय और लैंगिक विषमता भी आड़े आ रही है। हर क्षेत्र और हर वर्ग तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही सरकार गुणवत्तापरक शिक्षा पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्तर सुधारने के साथ ही शिक्षकों की जिम्मेदारी भी सरकार तय करेगी।

सूर्य के समान होना चाहिए शैक्षणिक नेतृत्व

राज्य मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह ने किया 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

नारनौल, 5 दिसंबर (निस)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत मंगलवार से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह ने की।

उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शैक्षणिक नेतृत्व सूर्य के समान होना चाहिए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश उपस्थित रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की। इस अवसर पर डॉ. सत्यपाल सिंह ने विश्वविद्यालय में नवनिर्मित शैक्षणिक खं-1 एवं स्वामी दयानंद सरस्वती शोध पीठ का उद्घाटन किया। कुलपति, सम-कुलपति, निदेशक, अधिष्ठाता तथा विभागाध्यक्षों के लिए आयोजित इस 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ. सत्यपाल सिंह ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जरूरी बदलावों पर जोर देते हुए कहा कि भारत की विश्व गुरु के तौर पर पहचान शिक्षकों के माध्यम से ही स्थापित हुई थी और वर्तमान में बेहतर स्थिति के लिए शिक्षकों को ओर अधिक परिश्रम की आवश्यकता है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ का उद्घाटन करते डॉ. सत्यपाल सिंह साथ में कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़, प्रो. वेद प्रकाश व प्रो. रणवीर सिंह। -निस

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 06 December 2017
epaper.dainiktribuneonline.com//c/24272286

सूर्य जैसा हो शैक्षणिक नेतृत्व : डॉ. सत्यपाल

हकेंविवि में शैक्षणिक खंड का उद्घाटन करते केंद्रीय राज्य मंत्री डा . सत्यपाल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ हुआ। उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता विषय पर आरंभ हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ मानव संसाधन वि का स मंत्रालय से केंद्रीय राज्य मंत्री डा. सत्यपाल सिंह ने किया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डा. सत्यपाल सिंह ने कहा कि शैक्षणिक नेतृत्व सूर्य के समान होना चाहिए। कुलपति, सम-कुलपति, निदेशक, अधिष्ठाता तथा विभागाध्यक्षों के लिए आयोजित कार्यक्रम में डा. सत्यपाल सिंह ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जरूरी बदलावों पर जोर देते हुए कहा कि भारत की विश्व गुरू के तौर पर पहचान शिक्षकों के माध्यम से ही स्थापित हुई थी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. वेदप्रकाश ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है और मैं प्रो. आरसी कुहाड़ के नेतृत्व में इसकी तरक्की से बेहद खुश हूं। उन्होंने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि देश को असली स्वराज तभी मिलेगा जब देश निर्धनता व निरक्षरता से मुक्त होगा।

स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ का किया उद्घाटन

डा. सत्यपाल सिंह ने विश्वविद्यालय में नवनिर्मित शैक्षणिक खंड-1 एवं स्वामी दयानंद सरस्वती शोध पीठ का उद्घाटन करते हुए कहा कि आज शिक्षक की पहचान उसकी डिग्री से की जाती है, जबकि हमारे इतिहास में ऐसे कई प्रेरणा के स्त्रोत रहे हैं, जिनके पास कोई डिग्री नहीं थी। डा. सत्यपाल सिंह ने विश्वविद्यालय में स्थापित स्वामी दयानंद सरस्वती चेयर के संबंध में कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का यह प्रयास सराहनीय है।

'AIM FOR SKILLS AND KNOWLEDGE, NOT DEGREES'

ROHTAK: Union minister of state for human resource development Satyapal Singh on Tuesday inaugurated the four-day leadership training programme under the MHRD Scheme of Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT) at Central University of Haryana, Mahendragarh.

Addressing the vice-chancellors, pro vice-chancellors, directors, deans, and heads of department of universities from across the country among others, he said to establish India as a world leader our teachers need to work hard. He said today teachers were being recognised by degrees, while in the past they were recognised by capabilities. **HTC**

National education policy draft to be out by Dec-end: Minister

Says special software ready to check plagiarism in research work

RAVINDER SAINI
TRIBUNE NEWS SERVICE

MAHENDRAGARH, DECEMBER 5

Minister of State for Human Resource Development (HRD) Satya Pal Singh has said the first draft of the new National Education Policy (NEP) is in the final stage and it will be brought out by the end of December. The HRD Ministry is also preparing a special software to keep a check on plagiarism in research work.

Satya Pal was interacting with mediapersons after inaugurating the four-day Higher Education Leadership Programme (HELP) at the Central University of Haryana (CUH) at Jant Pali village here today. He also inaugurated the Dayanand Saraswati Chair and the academic block-1 on the occasion.

"The policy aims at bringing a significant change in the educational system which follows a colonial mindset. The HRD Ministry has appointed a nine-member committee, headed by space scientist Krishnaswamy Kasturirangan, to work on the NEP. It will submit its report soon," said the minister. The policy would be more modern, research-oriented and capable of producing better citizens, he added.

He said a considerable number of educational institutes approved by the National Council of Teachers' Education (NCTE) were either operating in a room or exist only on papers. Hence, the HRD Minister had taken strong view of the violation of rules and already over 1,000 of such colleges had been shut while many would face action in coming days, he added.

On plagiarism in research work, the minister said, "Plagiarism is rampant in research work but the Union government is determined to eliminate this malpractice from the educational system. Hence, an anti-plagiarism software has been designed to detect copying in the dissertation of PhD".

He said strict action would be taken against those educational institutes which distribute fake PhD degrees. Earlier, Prof RC Kuhar, Vice-Chancellor of the university, said issues pertaining to quality assurance, accreditation and enhancement of institutional performance, interface with regulatory bodies, budgetary process and strategies for effective resource mobilisation, effective leadership and strategic planning, reforms and new initiatives in higher education would be discussed in detail in the programme that would conclude on Friday.

Union Minister of State for Human Resource Development Satya Pal Singh inaugurates the academic block-1 of the Central University of Haryana in Mahendragarh on Tuesday. TRIBUNE PHOTO

10 crore Soil Health Cards issued

Jhajjar: Union Agriculture Minister Radha Mohan Singh, while addressing a gathering at the Krishi Vigyan Kendra here, said 10 crore Soil Health Cards (SHCs) had been issued across the country and all farmers in Haryana would get cards by January next year. "After all farmers get Soil Health Cards, the health of soil will be tested every two years and recommendations on useful elements for soil health will be registered in these so that a farmer could improve the health of his field," he added.

Mobile phone app launched

Jhajjar: The Union Agriculture Minister also launched a Soil Health Card mobile phone app to facilitate farmers and field-level workers. "It will automatically capture GIS coordinates while registering sample details at the time of sample collection in the field and indicate the place from where the sample has been collected," he said. The minister said the app works like other Geotagging apps developed for the Rashtriya Krishi Vikas Yojana. It contains farmers' details such as name, Aadhaar card number, mobile phone number, gender, address and crop details.

Seminar at NDRI on World Soil Day

Karnal: On the occasion of World Soil Day, a seminar was organised at the NDRI here on Tuesday. Farmers from Karnal, Yamunanagar, Jind, Panipat, Kurukshetra and Jhajjar districts participated. Gharaunda MLA and Hafed Chairman, Harvinder Kalyan, gave soil health cards to farmers and highlighted its importance. He said Prime Minister Narendra Modi had initiated this project for the welfare of farmers to maintain the fertility of soil. "If the fertility is maintained, it will contribute to high yield and better profit for the farmers," he added. TNS

' उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता ' पर वक्ताओं ने रखे विचार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन दी कई विषयों की जानकारी

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सभी विशेषज्ञों का परिचय प्रतिभागियों से कराया।

उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावी नेतृत्व क्षमता का विकास करना है और ये विशेषज्ञ इस काम में बेहद अनुभवी हैं। उन्होंने कहा कि अगले दो दिन ऐसे ही कई अन्य विख्यात विशेषज्ञों से प्रतिभागियों को रूबरू होने का अवसर प्राप्त होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रारंभिक सत्र में एआईयू के सेक्रेटरी जनरल प्रो. फुरकान कमर ने प्रतिभागियों को एक टीम के तौर पर कार्य करने और संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के विषय में बताया। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा में एक बेहतर नेतृत्व प्रदान करने के लिए किस तरह तीन 'एफ' (फंड, फैकल्टी और फ्रीडम) व दो 'एल' (लीडरशिप और लार्जर इको सिस्टम) महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी (एआईयू) के सेक्रेटरी जनरल प्रो. फुरकान कमर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजन हर्ष व राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) के प्रो. रामाचंद्रन ने प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजन हर्ष ने प्रभावशाली नेतृत्व व निर्णयों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय को एक उत्कृष्ट संस्थान बनाने के लिए जरूरी है कि उसके शिक्षक संस्थान की बेहतरी के लिए प्रयास करें। प्रो. हर्ष ने बताया कि विश्वविद्यालयों का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों व शिक्षकों में उम्दा कम्यूनिकेशन स्किल का होना जरूरी है। इसके माध्यम से ही वे अपनी बात हर परिस्थिति में बेहतर ढंग से रख सकेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ऐसे कई मौकों से गुजरना पड़ा जब उन्हें परिस्थिति के विपरीत निर्णय लेने की जरूरत पड़ी लेकिन उनके वे निर्णय विश्वविद्यालय हित में रहे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संदर्भ में प्रो. हर्ष ने कहा कि प्रो. कुहाड़ से मेरा नाता तब से है जब वे दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे। आज वे हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति हैं और उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय की प्रगति से स्पष्ट है कि वे यहां भी अपनी सुदृढ़ नेतृत्व क्षमता का परिचय यहां भी दे रहे हैं। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) के प्रो. रामाचंद्रन ने कहा कि किसी भी विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय का निर्माण पांच-दस सालों में संभव नहीं है। इसके लिए दशकों का परिश्रम और उम्दा नेतृत्व की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रगति दर्शाती है कि एक विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य प्रो. आर.सी. कुहाड़ के नेतृत्व में जारी है। प्रो. रामाचंद्रन ने आगे कहा कि जहां तक पाठ्यक्रम निर्माण की बात है तो इसमें शोध, नवप्रवर्तन और उत्पाद विकास का समावेश जरूरी है। इसी तरह उन्होंने फैकल्टी डेवलपमेंट को भी किसी भी विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा में इजाफे के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब सूचना-तकनीक के चलते हर साल नए बदलाव देखने को मिल रहे हैं, ऐसे में जरूरी है कि पाठ्यक्रम भी उसी के अनुरूप बदले। कार्यक्रम में शामिल हुए विषय विशेषज्ञों का धन्यवाद अकादमिक सलाहकार प्रो. ए.जे. वर्मा ने किया।

पाठ्यक्रम अप-टू-डेट हो

देश में करीब 800 विश्वविद्यालय व संस्थान हैं लेकिन इन सबसे अलग दिखने के लिए कुछ अलग सोच के साथ काम करना होगा और इसकी जिम्मेदारी जितनी एक कुलपति की है, उतनी ही वहां अध्यापनरत शिक्षकों, कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों तथा अध्ययनरत विद्यार्थियों की भी है। प्रो. फुरकान कमर ने कहा कि पाठ्यक्रम अप-टू-डेट होना चाहिए ताकि विद्यार्थियों की रुचि उसमें बनी रहे।

उच्च शिक्षा में क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति आरसी कुहाड़ व अन्य।

'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन विशेषज्ञों ने सिखाईं बारीकियां

एआईयू के प्रो. फुरकान कमर, इलाहाबाद विवि के पूर्व कुलपति प्रो. राजन हर्षे व न्यूपा के प्रो. रामाचंद्रन ने दिए टिप्स

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार) की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) योजना के अंतर्गत 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी (एआईयू) के सेक्रेटरी जर्नल प्रो. फुरकान कमर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजन हर्षे व राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) के प्रो. रामाचंद्रन ने प्रतिभागियों के समक्ष विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी। विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सभी विशेषज्ञों का परिचय प्रतिभागियों से कराया। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावी नेतृत्व क्षमता का विकास करना है और ये विशेषज्ञ इस काम में बेहद अनुभवी हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रारंभिक सत्र में एआईयू के सेक्रेटरी जर्नल प्रो. फुरकान कमर ने प्रतिभागियों को एक टीम के तौर पर कार्य करने और संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नेतृत्व प्रदान करने के लिए किस तरह तीन 'एफ' (फंड, फैकल्टी और फ्रीडम) व दो 'एल' (लीडरशिप और लार्जर इको सिस्टम) महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। प्रो. कमर ने कहा कि पाठ्यक्रम अप-टू-डेट होना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों की रुचि उसमें बनी रहे। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजन हर्षे ने प्रभावशाली नेतृत्व व निर्णयों का जिक्र करते हुए किसी भी संस्थान को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रतिभागियों को मार्गदर्शन किया। प्रो. हर्षे ने बताया कि विश्वविद्यालयों का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों व शिक्षकों में उम्दा कम्यूनिकेशन स्किल का होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उन्हें इलाहाबाद विवि में ऐसे कई मौकों से गुजरना पड़ा जब उन्हें परिस्थिति के विपरीत निर्णय लेने की जरूरत पड़ी, लेकिन उनके वे निर्णय विश्वविद्यालय हित में रहे।

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) के प्रो. रामाचंद्रन ने कहा कि किसी भी विवि का निर्माण पांच-दस सालों में संभव नहीं है। इसके लिए दशकों का परिश्रम और उम्दा नेतृत्व की आवश्यकता होती है। प्रो. रामाचंद्रन ने आगे कहा कि जहां तक पाठ्यक्रम निर्माण की बात है तो इसमें शोध, नवप्रवर्तन और उत्पाद विकास का समावेश जरूरी है। उन्होंने फैकल्टी डेवलपमेंट को भी किसी भी विवि की प्रतिष्ठा में इजाफे के लिए अहम बताया। कार्यक्रम में शामिल हुए विषय विशेषज्ञों का धन्यवाद अकादमिक सलाहकार प्रो. एजे वर्मा ने किया।

महेंद्रगढ़. हकेंवि में 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रो. आरसी कुहाड़ व अन्य विशेषज्ञ।

महिलाओं की खेलकूद प्रतियोगिता मॉडल संस्कृति स्कूल में 8 दिसंबर को

महेंद्रगढ़ | राजकीय माडल संस्कृति स्कूल महेंद्रगढ़ के खेल मैदान में महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा के सौजन्य से 8 दिसंबर को ग्रामीण महिलाओं की खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्यातिथि एसडीएम विक्रम आईएएस विजेताओं को पुरस्कृति करेंगे। महेंद्रगढ़ की सीडीपीओ निर्मल शर्मा ने बताया कि 18 से 30 वर्ष तथा 30 से ऊपर की ग्रामीण महिलाएं आयोजित होने वाली खेलकूद प्रतियोगिता में भाग ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि 18 से 30 वर्ष की महिलाएं 5 किमी साइकिल दौड़, 400 मीटर दौड़ व 300 मीटर दौड़ में भाग ले सकती हैं। साइकिल दौड़ में भाग लेने वाली महिलाएं अपने साथ स्वयं साइकिल लेकर आए। 30 वर्ष की आयु से ऊपर की महिलाओं के लिए 100 मीटर दौड़, पोटेटो- दौड़ व मटका दौड़ का आयोजन किया जाएगा। खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी महिलाएं अपने साथ जन्म का प्रमाण-पत्र अवश्य लेकर आएं। उन्होंने बताया कि खेलों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाली विजेता महिलाओं को महिला एवं बाल विकास विभाग से नकद पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार राशि विजेताओं के बैंक खातों में जमा कराई जाएगी।

हकेंविवि में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता प्रशिक्षण

प्रतिभागी टीम के रूप में करें काम: फुरकान

- एआईयू के प्रो. फुरकान कमर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजन हर्षे व न्यूपा के प्रो. रामाचंद्रन ने सिखाई बारीकियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रो. आरसी कुहाड़ व उन्य विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी एआईयू के सेक्रेटरी जर्नल प्रो. फुरकान कमर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजन हर्षे व राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) के प्रो. रामाचंद्रन ने प्रतिभागियों के समक्ष विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने प्रो. कुहाड़ ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावी नेतृत्व क्षमता का विकास करना है और ये विशेषज्ञ इस काम में बेहद अनुभवी हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रारम्भिक सत्र में एआईयू के सेक्रेटरी जर्नल प्रो. फुरकान कमर ने प्रतिभागियों को एक टीम के तौर पर कार्य करने और संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के विषय में बताया। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा में बेहतर नेतृत्व प्रदान करने के लिए किस तरह तीन एफ फंड, फैकल्टी और फ्रीडम व दो एल (लीडरशिप और लार्जर इको सिस्टम) महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। उन्होंने कहा कि देश में करीब 800 विश्वविद्यालय व संस्थान हैं लेकिन इन सबसे अलग दिखने के लिए कुछ अलग सोच के साथ काम करना होगा पाठ्यक्रम निर्माण के संबंध में प्रो. कमर ने कहा कि पाठ्यक्रम अप-टू-डेट होना चाहिए ताकि विद्यार्थियों की रूचि उसमें बनी रहे। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजन हर्षे ने प्रभावशाली नेतृत्व व निर्णयों का जिक्र करते हुए किसी भी संस्थान को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रतिभागियों को मार्गदर्शन किया। प्रो. हर्षे ने बताया कि विश्वविद्यालयों का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों व शिक्षकों में कम्युनिकेशन स्किल का होना जरूरी है। इसके माध्यम से वे अपनी बात हर परिस्थिति में बेहतर ढ़ंग से रख सकेंगे।

संस्थान की गुणवत्ता में सुधार एक सतत प्रक्रिया : कुहाड़

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की मान्यता और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) किसी भी संस्थान की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। संस्थान की गुणवत्ता में सुधार एक सतत प्रक्रिया है और इसके लिए सदैव प्रयासरत रहने की जरूरत है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का। उन्होंने यह बात विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार) की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनटीटी) योजना के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन प्रतिभागियों के बीच चर्चा के दौरान कही।प्रो. कुहाड़ ने कहा कि नैक की मान्यता का उद्देश्य ही शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाना है और इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस प्रक्रिया में सुधार से जुड़े विभिन्न सुझावों को उचित प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन नैक के सलाहकार प्रो. बी.एस. मधुकर ने प्रतिभागियों को देश में नैक से मान्यता प्राप्त कॉलेजों व विश्वविद्यालयों की मौजूदा स्थिति और आईक्यूएसी का महत्व समझाया। प्रो. मधुकर ने बताया कि नैक की प्रक्रिया में आईक्यूएसी की भूमिका सबसे अहम होती है। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मार्कण्डेय आहुजा ने प्रतिभागियों को तनाव के कारणों व उनसे बचाव के उपायों से अवगत कराया।

आयोजन 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' प्रशिक्षण कार्यक्रम का तीसरा दिन, हकेंवि के वीसी बोले-

संस्थान की गुणवत्ता में सुधार एक सतत प्रक्रिया

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की मान्यता और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) किसी भी संस्थान की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। संस्थान की गुणवत्ता में सुधार एक सतत प्रक्रिया है और इसके लिए सदैव प्रयासरत रहने की जरूरत है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. आरसी कुहाड़ का। उन्होंने यह बात विवि में मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत हकेंवि में 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन कही।

महेंद्रगढ़. प्रो. मार्कण्डेय आहुजा का स्वागत करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि नैक की मान्यता का उद्देश्य ही शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस प्रक्रिया में सुधार से जुड़े विभिन्न सुझावों को उचित प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। तीसरे दिन नैक के सलाहकार प्रो. बीएस मधुकर ने प्रतिभागियों को देश में नैक से मान्यता प्राप्त कॉलेजों व विश्वविद्यालयों की मौजूदा स्थिति और आईक्यूएसी का महत्व समझाया। दूसरे सत्र में इंफॉरमेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर के डॉ. मनोज कुमार ने पुस्तकालय संसाधनों के डिजिटलाइजेशन और उससे जुड़े बजटीय प्रावधानों के विषय में बताया। मनोज कुमार ने प्रतिभागियों को भारत सरकार की ओर से उपलब्ध विभिन्न ई-अध्ययन सामग्री से संबंधित पोर्टल्स की भी जानकारी दी। इनमें शोध गंगा, स्वयं, ईपीजी पाठशाला व स्वयं प्रभा के नाम प्रमुख रहे। मानव रचना इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज के प्रो. प्रदीप वाष्णेय ने छात्र सहयोग सेवाओं के संदर्भ में प्रतिभागियों को बताया। अंतिम सत्र में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. मार्कण्डेय आहुजा ने प्रतिभागियों को तनाव के कारणों व उनसे बचाव के उपायों से अवगत कराया। प्रो. मार्कण्डेय आहुजा ने अपने व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों के बीच तनाव आंकलन की गतिविधि भी आयोजित की, जिसमें कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ व प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सुधार एक सतत प्रक्रिया : प्रो. कुहाड़

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की मान्यता और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी) किसी भी संस्थान की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण हैं। सुधार एक सतत प्रक्रिया है और इसके लिए सदैव प्रयासरत रहने की जरूरत है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनटीटी) योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन यह कहा।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि नैक की मान्यता का उद्देश्य ही शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। नैक के सलाहकार प्रो. बीएस मधुकर ने प्रतिभागियों को देश में नैक से मान्यता प्राप्त कॉलेजों व विश्वविद्यालयों की

प्रो. मार्कडेया आहुजा का स्वागत करते वीसी प्रो. आरसी कुहाड़ ●

मौजूदा स्थिति और आईक्यूएसी का महत्व समझाया। दूसरे सत्र में इंफार्मेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर के डॉ. मनोज कुमार ने पुस्तकालय संसाधनों के डिजिटलाइजेशन और उससे जुड़े बजटीय प्रावधानों के बारे में बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को केंद्र सरकार की ओर से उपलब्ध विभिन्न ई-अध्ययन सामग्री से संबंधित पोर्टल्स की भी जानकारी दी। इनमें शोध गंगा, स्वयं, ईपीजी पाठशाला व स्वयंप्रभा के नाम प्रमुख रहे।

मानव रचना इंस्टीट्यट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज के प्रो. प्रदीप वार्ष्णेय ने छात्र सहयोग सेवाओं के संदर्भ में बताया कि किस तरह से कोई भी विश्वविद्यालय विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता व शोध क्षमता में इजाफा कर सकता है। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मार्कण्डेय आहुजा ने प्रतिभागियों को तनाव के कारणों व उनसे बचाव के उपायों से अवगत कराया।

प्रो. आहुजा ने प्रतिभागियों के बीच तनाव आकलन की गतिविधि भी आयोजित की, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ व प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

हकेंविवि में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान की गुणवत्ता में सुधार एक सतत प्रक्रिया: प्रो. कुहाड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक की मान्यता और आंतरिक गुणवत्ता आवश्वासन प्रकोष्ठ आईक्यूएसी किसी भी संस्थान की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्त्वपूर्ण है। संस्थान की गुणवत्ता में सुधार एक सतत प्रक्रिया है और इसके लिए सदैव प्रयासरत रहने की जरूरत है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का। उन्होंने यह बात विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग पीएमएमएमएनटीटी योजना के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता विषय पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन प्रतिभागियों के बीच चर्चा के दौरान कहीं। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि नैक की मान्यता का उद्देश्य ही शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन नैक के सलाहकार प्रो. बीएस मधुकर ने प्रतिभागियों को देश में नैक से मान्यता प्राप्त कॉलेजों व विश्वविद्यालयों की मौजूदा स्थिति और आईक्यूएसी का महत्त्व विस्तार से समझाया। प्रो. मधुकर ने बताया कि नैक की प्रक्रिया में आईक्यूएसी की भूमिका सबसे अहम होती है इसलिए शिक्षण संस्थानों को इस मोर्चे पर विशेष ध्यान देना चाहिए। मनोज कुमार ने प्रतिभागियों को भारत सरकार की ओर से उपलब्ध विभिन्न ई-अध्ययन सामग्री से संबंधित पोर्टल्स की भी जानकारी दी। इनमें शोध गंगा, स्वयं, ईपीजी पाठशाला व स्वयं प्रभा के नाम प्रमुख रहे। इसके पश्चात मानव रचना इंस्टीट्यट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज के प्रो. प्रदीप वार्ष्णेय ने छात्र सहयोग सेवाओं के संदर्भ में प्रतिभागियों को बताया कि किस तरह से कोई भी विश्वविद्यालय विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता व शोध क्षमता में इजाफा कर सकता है। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मार्कण्डेय आहुजा ने प्रतिभागियों को तनाव के कारणों व उनसे बचाव के उपायों से अवगत करवाया। प्रो. मार्कण्डेय ने बताया कि किस तरह से हम सामान्य से बदलावों को अपनाकर अपने तनाव को कम कर सकते हैं।

महेंद्रगढ़। प्रो. मार्कण्डेय आहुजा का स्वागत करते हकेंविवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

- शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाना नैक की मान्यता का उद्देश्य
- प्रो. मार्कण्डेय आहुजा ने अपने विचार रखे

अतिथि अध्यापकों का धरना क्रमिक अनशन शुक्रवार को 35वें दिन भी जारी

'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' प्रशिक्षण कार्यक्रम का तीसरा दिन

संस्थान की गुणवत्ता में सुधार एक सतत् प्रक्रिया : प्रो. कुहाड़

तीसरे दिन नेक मान्यता, पुस्तकालय संसाधनों के डिजीटलाइजेशन व तनाव नियंत्रण पर विशेषज्ञों ने रखी अपनी बात

महेंद्रगढ़, 7 दिसम्बर(मोहन/परमजीत): राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की मान्यता और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) किसी भी संस्थान की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है।

संस्थान की गुणवत्ता में सुधार एक सतत् प्रक्रिया है और इसके लिए सदैव प्रयासरत रहने की जरूरत है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का। उन्होंने यह बात विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार) की पंडित मदन मोहन मालवीय नैशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पी.एम.एम. एम.एन.टी.टी.) योजना के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर आयोजित 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन प्रतिभागियों के बीच चर्चा के दौरान कही।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि नैक की मान्यता का उद्देश्य ही शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाना है और इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस प्रक्रिया में सुधार से जुड़े विभिन्न सुझावों को उचित प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन नैक के सलाहकार प्रो. बी.एस. मधुकर ने प्रतिभागियों को देश में नैक से मान्यता प्राप्त कालेजों व विश्वविद्यालयों की मौजूदा स्थिति और आई.क्यू.ए.सी. का महत्व विस्तार से समझाया।

प्रो. मधुकर ने बताया कि नैक की प्रक्रिया में आई.क्यू.ए.सी. की भूमिका सबसे अहम होती है इसलिए शिक्षण संस्थानों को इस मोर्चे पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके लिए उन्होंने संसाधनों के विकास के साथ-साथ शैक्षणिक व प्रशासनिक ऑडिट की व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे सत्र में इंफोर्मेशन एंड लाइब्रेरी नैटवर्क सैंटर (इनफ्लिबनेट) के डा. मनोज कुमार ने पुस्तकालय संसाधनों के डिजीटलाइजेशन और उससे जुड़े बजटीय प्रावधानों के विषय में बताया। मनोज कुमार ने प्रतिभागियों को भारत सरकार की ओर से उपलब्ध विभिन्न ई-अध्ययन सामग्री से संबंधित पोर्टल्स की भी जानकारी दी।

नैक के सलाहकार प्रो. बी.एस. मधुकर को नारियल भेंट करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़। मोहन

इनमें शोध गंगा, स्वयं, ई.पी.जी. पाठशाला व स्वयं प्रभा के नाम प्रमुख रहे। इसके पश्चात मानव रचना इंस्टीच्यट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज के प्रो. प्रदीप वार्ष्णेय ने छात्र सहयोग सेवाओं के संदर्भ में प्रतिभागियों को बताया कि किस तरह से कोई भी विश्वविद्यालय विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता व शोध क्षमता में इजाफा कर सकता है।

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मार्कंडेय आहूजा ने प्रतिभागियों को तनाव के कारणों व उनसे बचाव के उपायों से अवगत करवाया। प्रो. मार्कंडेय आहूजा ने अपने व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों के बीच तनाव आंकलन की गतिविधि भी आयोजित की, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ व प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति : कुहाड़

'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रो. मूलचंद शर्मा को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार) की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) योजना के अंतर्गत 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके लिए भविष्य में बेहद उपयोगी साबित होगा। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा के समक्ष चुनौतियों एवं उनके समाधानों पर विशेषज्ञों ने चर्चा की और इसके आधार पर हम आवश्यक बदलाव की दिशा में प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो. मूल चंद शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। शर्मा ने कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है और इसका सृजन, नियंत्रण व इसे प्रदान करने का कार्य विश्वविद्यालय के माध्यम से होता है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने प्रतिभागियों को उच्च शिक्षा में सुधार व नए प्रयासों की आवश्यकता के संबंध में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एक शैक्षणिक नेतृत्व में यह गुण अवश्य होना चाहिए कि वह बदलाव के लिए तैयार रहे और उचित निर्णयों को लागू करने की क्षमता भी उसमें होनी चाहिए। प्रो. दहिया ने शैक्षणिक मोर्चे पर स्वायत्तता को जरूरी बताया और कहा कि इसके बिना बेहतर शिक्षण संस्थान का निर्माण नहीं किया जा सकता है। कार्यक्रम के चौथे दिन राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के संयुक्त निदेशक प्रो. एपी बेहरा ने शिक्षा के क्षेत्र में जरूरी सूचना प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर प्रतिभागियों को व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में डॉ. पवन शर्मा, अकादमिक सलाहकार प्रो. एजे वर्मा, शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डॉ. सारिका शर्मा आदि रहे।

हकेंवि में आयोजन 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

शैक्षणिक नेतृत्व को बदलाव के लिए रहना चाहिए तैयार: प्रो. दहिया

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) योजना के अंतर्गत 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। विवि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा के समक्ष चुनौतियों एवं उनके समाधानों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की।

इसके आधार पर हम आवश्यक बदलाव की दिशा में प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के समापन सत्र में विवि के संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंद शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

प्रो. मूल चंद शर्मा ने समापन सत्र में कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है और इसका सृजन, नियंत्रण व इसे प्रदान करने का कार्य विश्वविद्यालय के माध्यम से होता है। प्रो. शर्मा ने शिक्षण व्यवस्था में संवाद की प्रक्रिया को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह जरूरी है कि विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों व शिक्षकों के बीच स्वस्थ चर्चा की परंपरा विकसित हो। उन्होंने सूचना तकनीक के महत्त्व का जिक्र करते हुए कहा कि यह शिक्षा व्यवस्था में एक सहयोगी उपकरण के तौर पर उपयुक्त है, लेकिन इस पर निर्भरता अनुचित है।

समापन सत्र से पूर्व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने प्रतिभागियों को

महेंद्रगढ़. प्रो. मूलचंद शर्मा को स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

उच्च शिक्षा में सुधार व नए प्रयासों की आवश्यकता के संबंध में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एक शैक्षणिक नेतृत्व में यह गुण अवश्य होना चाहिए कि वह बदलाव के लिए तैयार रहे और उचित निर्णयों को लागू करने की क्षमता भी उसमें होनी चाहिए। कार्यक्रम के चौथे दिन राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के संयुक्त निदेशक प्रो. एपी बेहरा ने शिक्षा के क्षेत्र में जरूरी सूचना प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर प्रतिभागियों को व्याख्यान दिया। स्काइप के माध्यम से प्रो. बेहरा ने बताया कि किस तरह से डिजिटल इंडिया अभियान के तहत शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब स्कूल से लेकर कॉलेज तक सभी सूचना तकनीक के माध्यम से शिक्षण-प्रशिक्षण में हिस्सेदार होंगे। चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में डॉ. पवन शर्मा, अकादमिक सलाहकार प्रो. एजे वर्मा, शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डॉ. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति : प्रो. मूलचंद

संस्थापक कुलपति डा. मूलचंद शर्मा को सम्मानित करते प्रो. आरसी कुहाड़ ● जागरण

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंद शर्मा ने कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है और इसका सृजन, नियंत्रण व इसे प्रदान करने का कार्य विश्वविद्यालय के माध्यम से होता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मिला ज्ञान प्रतिभागियों के लिए कारगर साबित होगा। वे शुक्रवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता विषय पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए प्रख्यात शिक्षाविदों को संबोधित कर रहे थे।

प्रो. शर्मा ने शिक्षण व्यवस्था में संवाद शिक्षकों के बीच स्वस्थ चर्चा की परम्परा विकसित हो। सूचना तकनीक के महत्त्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह शिक्षा व्यवस्था में एक सहयोगी उपकरण के तौर पर उपयुक्त है लेकिन इस पर निर्भरता अनुचित है। उन्होंने प्रो. कुहाड़ के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय की ऐसी प्रगति हर्ष का विषय है और उन्हें उम्मीद है कि यह विवि विकास की अपनी इस रफ्तार को बनाए रखेगा। समापन सत्र से पूर्व कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने कहा कि एक शैक्षणिक नेतृत्व में यह गुण अवश्य होना चाहिए कि वह बदलाव के लिए तैयार रहे और उचित निर्णयों को लागू करने की क्षमता भी उसमें होनी चाहिए। शैक्षणिक मोर्चे पर

प्रतिभागियों के लिए कारगर साबित होगा कार्यक्रम : प्रो. कुहाड़

उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पण्डित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के तहत आयोजित उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता विषय पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम समापन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलपति, सम-कुलपति, उनके प्रतिनिधियों, निदेशक, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्षों के लिए आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके लिए भविष्य में बेहद उपयोगी साबित होगा। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा के समक्ष चुनौतियों एवं उनके समाधानों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की और इसके आधार पर हम आवश्यक बदलाव की दिशा में प्रयास करेंगे। प्रो. मूलचंद शर्मा ने समापन सत्र में कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है। इसका सृजन, नियंत्रण व इसे प्रदान करने का कार्य विश्वविद्यालय के माध्यम से होता है। प्रो. शर्मा ने प्रो. आरसी कुहाड़ के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय की ऐसी प्रगति हर्ष का विषय है। उन्हें उम्मीद है कि यह विश्वविद्यालय विकास की अपनी इस रफ्तार को बनाए रखेगा। समापन सत्र से पूर्व कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भीमसिंह दहिया ने प्रतिभागियों को उच्च शिक्षा में सुधार व नए प्रयासों की आवश्यकता के संबंध में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एक शैक्षणिक नेतृत्व में यह गुण अवश्य होना चाहिए कि वह बदलाव के लिए तैयार रहे और उचित निर्णयों को लागू करने की क्षमता भी उसमें होनी चाहिए। प्रो. दहिया ने शैक्षणिक मोर्चे पर स्वायत्ता को जरूरी बताया।

महेंद्रगढ़। प्रो. मूलचन्द शर्मा को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते प्रो. आरसी कुहाड़। फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम के चौथे दिन राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद् के संयुक्त निदेशक प्रो. एपी बेहरा ने शिक्षा के क्षेत्र में जरूरी सूचना प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर प्रतिभागियों को व्याख्यान दिया। स्काईप के माध्यम से प्रो. बेहरा ने बताया कि किस तरह से डिजीटल इंडिया अभियान के तहत शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब स्कूल से लेकर कॉलेज तक सभी सूचना तकनीक के माध्यम से शिक्षण-प्रशिक्षण में हिस्सेदार होंगे। इस मौके पर डा. पवन शर्मा, अकादमिक सलाहकार प्रो. एजे वर्मा, शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डा. सारिका शर्मा आदि मौजूद थे।

'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

प्रतिभागियों के लिए कारगर साबित होगा कार्यक्रम : प्रो. कुहाड़

मुख्यातिथि के तौर पर समापन सत्र में शामिल हुए हकेंवि के संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंद शर्मा

केविवि में प्रो. मूलचंद शर्मा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते कुलपति आर.सी. कुहाड व कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति आर.सी. कुहाड, प्रो. मूलचंद शर्मा व अन्य पदाधिकारी। मोहन

महेंद्रगढ़, 8 दिसम्बर(मोहन परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार) की पण्डित मदन मोहन मालवीय नैशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी.) योजना के अंतर्गत 'उच्च शिक्षा में नेतृत्व क्षमता' विषय पर आयोजित 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलपति, सम-कुलपति व उनके प्रतिनिधियों, निदेशक, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्षों के लिए आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके लिए भविष्य में बेहद उपयोगी साबित होगा।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा के समक्ष चुनौतियों एवं उनके समाधानों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की और इसके आधार पर हम आवश्यक बदलाव की दिशा में प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंद शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

प्रो. मूलचंद शर्मा ने समापन सत्र में कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है और इसका सृजन, नियंत्रण व इसे प्रदान करने का कार्य विश्वविद्यालय के माध्यम से होता है। प्रो. शर्मा ने प्रो. आर.सी. कुहाड़ के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय की ऐसी प्रगति हर्ष का विषय है और उन्हें उम्मीद है कि यह विश्वविद्यालय विकास की अपनी इस रफ्तार को बनाए रखेगा। प्रो. शर्मा ने इस अवसर पर शिक्षण व्यवस्था में संवाद की प्रक्रिया को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह जरूरी है कि विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों व शिक्षकों के बीच स्वस्थ चर्चा की परम्परा विकसित हो। उन्होंने सूचना तकनीक के महत्त्व का जिक्र करते हुए कहा कि यह शिक्षा व्यवस्था में एक सहयोगी उपकरण के तौर पर उपयुक्त है लेकिन इस पर निर्भरता अनुचित है।

समापन सत्र से पूर्व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने प्रतिभागियों को उच्च शिक्षा में सुधार व नए प्रयासों की आवश्यकता के संबंध में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एक शैक्षणिक नेतृत्व में यह गुण अवश्य होना चाहिए कि वह बदलाव के लिए तैयार रहें और उचित निर्णयों को लागू करने की क्षमता भी उसमें होनी चाहिए। प्रो. दहिया ने शैक्षणिक मोर्चे पर स्वायत्तता को जरूरी बताया और कहा कि इसके बिना बेहतर शिक्षण संस्थान का निर्माण नहीं किया जा सकता है। कार्यक्रम के चौथे दिन राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के संयुक्त निदेशक प्रो. ए.पी. बेहरा ने शिक्षा के क्षेत्र में जरूरी सूचना प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर प्रतिभागियों को व्याख्यान दिया। स्काइप के माध्यम से प्रो. बेहरा ने बताया कि किस तरह से डिजीटल इंडिया अभियान के तहत शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब स्कूल से लेकर कॉलेज तक सभी सूचना तकनीक के माध्यम से शिक्षण-प्रशिक्षण में हिस्सेदार होंगे। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मिली जानकारी को उपयोगी बताया और कहा कि वह अवश्य ही इसका प्रयोग अपने कार्यक्षेत्र में करेंगे। एक प्रतिभागी का कहना था कि इस कार्यक्रम में उन्हें विश्वविद्यालय को एक उत्तम विश्वविद्यालय बनाने के लिए जरूरी विभिन्न प्रक्रियाओं को जानने का अवसर मिला।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में डा. पवन शर्मा, अकादमिक सलाहकार प्रो. ए.जे. वर्मा, शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डा. सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।